बाईबल फॉर चिल्ड्रन
प्रस्तुत करता है

जब खुदा ने सब कुछ बनाया

लेखक: Edward Hughes
व्याख्याता: Byron Unger; Lazarus Alastair Paterson
अनुकूलक: Bob Davies; Tammy S.
अनुवादक: christian-translation.com
निर्माता: Bible for Children
www.M1914.org

BFC
PO Box 3
Winnipeg, MB R3C 2G1
Canada

©2020 Bible for Children, Inc.
लाइसेंस: आपको इस कहानी की नक़ल बनाने या छापने का अधिकार है, जब तक कि आप इसे बेचते नहीं हैं।

हमें किसने बनाया? बाईबल, खुदा का कलाम बताता है कि इंसानों की जाति कैसे शुरू हुई। बहुत पहले, खुदा ने पहले इंसान को बनाया और उसका नाम आदम रखा। खुदा ने आदम को ज़मीन की मिट्टी से बनाया। जब खुदा ने आदम के अंदर जीवन फूँका, तो वह जिन्दा प्राणी बन गया।

उसने खुद को अदन नामक एक खूबसूरत बाग में पाया।

इससे पहले कि खुदा ने आदम को बनाया, उसने अनोखी चीजों से भरी एक खूबसूरत दुनिया बनाई। कदम दर कदम खुदा ने पहाड़ी स्थानों और मैदानी जगहों, खुशबूदार फूलों और ऊंचे पेड़ों, चमकीले पंखों वाले पक्षियों और भिनभिनाती मधुमक्खियों, बड़ी मछलियों और फ़िसलनदार घोंघे बनाए।

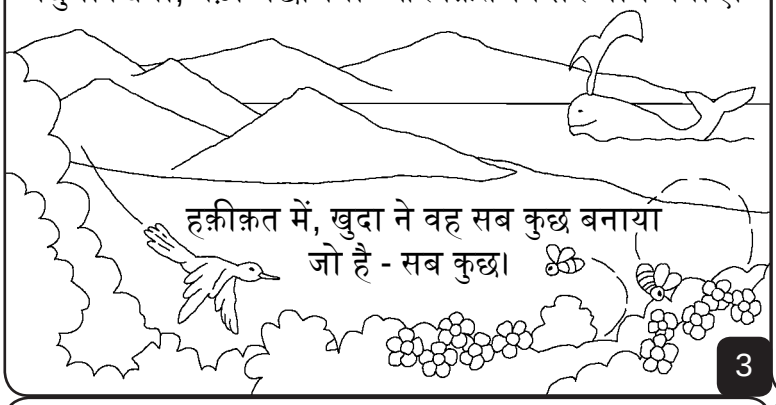

हक़ीक़त में, खुदा ने वह सब कुछ बनाया जो है - सब कुछ।

बिलकुल शुरुआत में, इससे पहले कि खुदा ने कुछ भी बनाया, खुदा के इलावा कुछ भी नहीं था। कोई व्यक्ति या जगह या चीज़ नहीं था। कुछ भी नहीं। न कोई रोशनी और न अंधेरा। न कुछ ऊपर और न नीचे। न कोई बीता हुआ कल और न आने वाला कल। केवल खुदा था जिसकी कोई शुरुआत नहीं थी। तब खुदा ने काम किया! शुरुआत में, खुदा ने आसमान और ज़मीन को बनाया ।

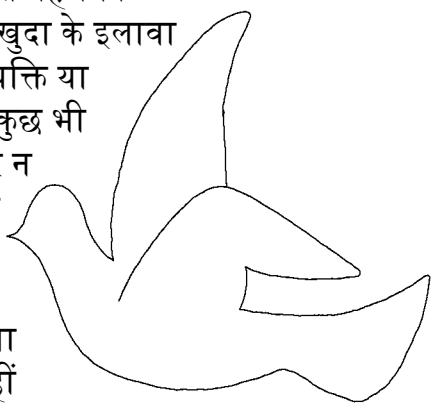

और ज़मीन बेडौल और सुनसान पड़ी थी। और गहरे पानी के ऊपर अन्धेरा था। फिर खुदा ने कहा, "रौशनी हो जा" ।

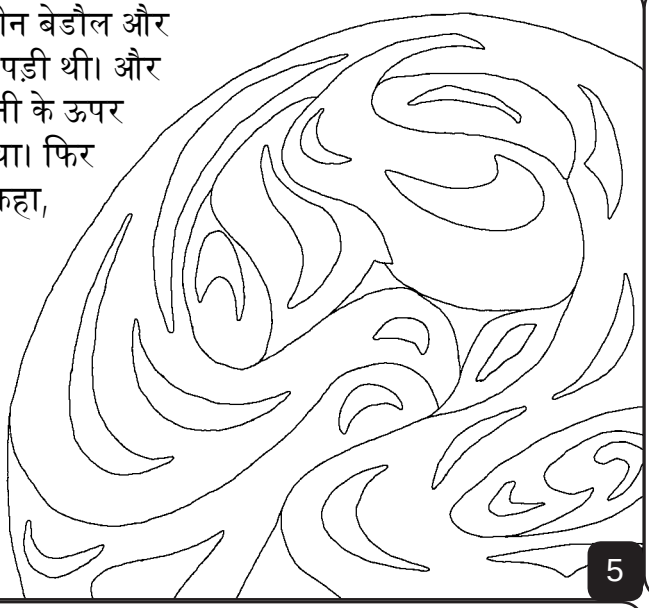

तो रौशनी हो गई। खुदा ने रौशनी को दिन का कहा और अन्धेरे को रात कहा। शाम हुई, फिर सुबह और पहला दिन हो गया।

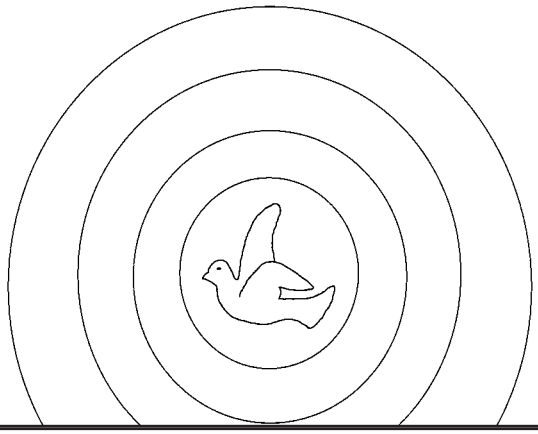

दूसरे दिन, खुदा आसमान के निचे महासागरों, समुद्रों और झीलों के पानी को सही ढंग में लाया। तीसरे दिन, खुदा ने कहा, "सूखी ज़मीन दिखाई दे।" और वह हो गया।

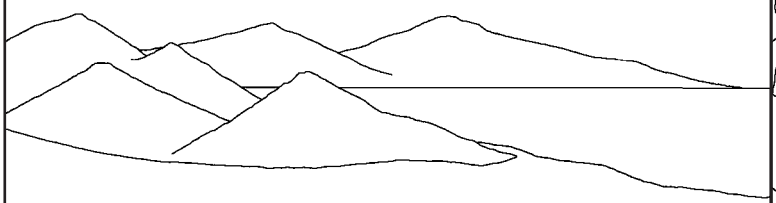

खुदा ने घास और फूलों और झाड़ियों और पेड़ों को भी दिखाई देने का हुकुम दिया। और वे दिखाई देने लगे। शाम हुई, फिर सुबह और तीसरा दिन हो गया।

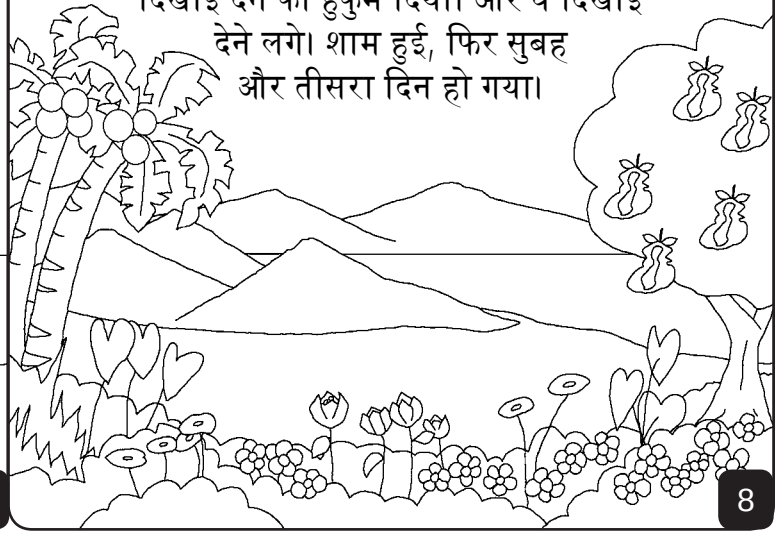

तब खुदा ने सूरज, और चाँद और इतने तारे बनाये कि कोई भी उन्हें गिन नहीं सकता। शाम हुई, फिर सुबह और चौथा दिन हो गया।

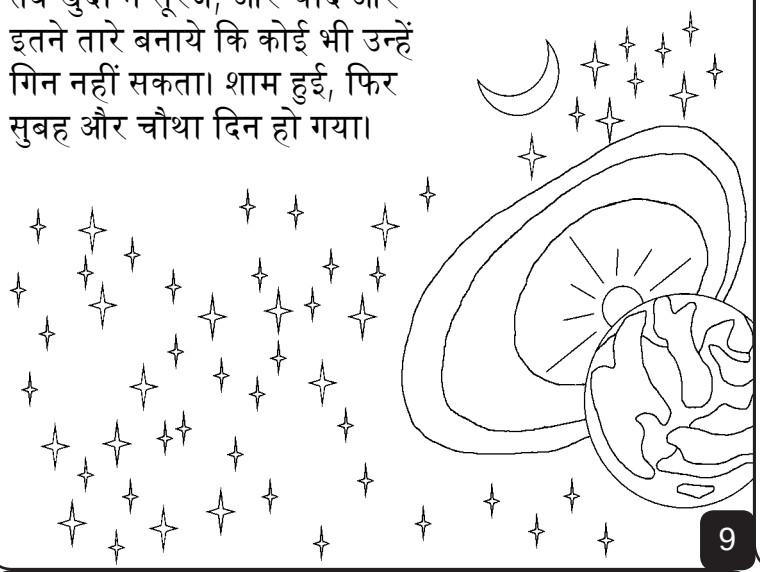

9

समुद्री जीव और मछली और पक्षी खुदा की सूचि में अगले थे। पाँचवें दिन उसने बड़ी तलवार-सदृश मछली और छोटी मछलियाँ, लंबे पैर वाले शुतुरमुर्ग और खुशमिजाज छोटे पक्षी बनाए। ज़मीन के पानी को भरने के लिए खुदा ने हर तरह की मछलियाँ और जमीन और समुद्र और आकाश का आनंद लेने के लिए हर तरह के पक्षी बनाये। शाम हुई, फिर सुबह और पाँचवाँ दिन हो गया।

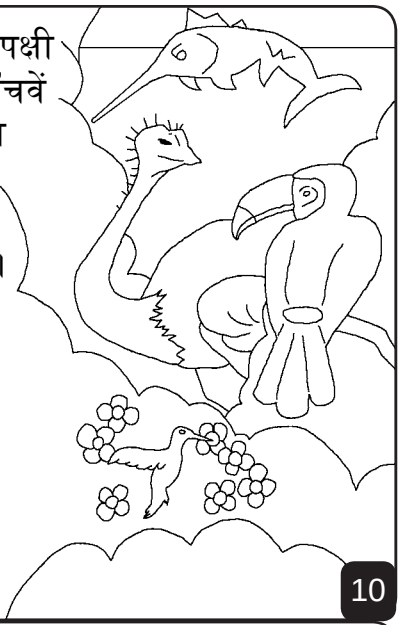

10

उसके बाद, खुदा फिर से बोला। उसने कहा, "ज़मीन से जीवित जीव पैदा हों..." हर किस्म के जानवर और कीट और रेंगने वाले जानवर अस्तित्व में आ गए। वहाँ ज़मीन हिलानेवाले हाथी और व्यस्त ऊदबिलाव थे। शरारती बंदर और भद्दे मगरमच्छ। लचीले कीड़े और चलाक गिलहरियाँ। बेडौल जिराफ़ और घुरघुराने वाली बिल्ली। उस दिन खुदा द्वारा हर किस्म का जानवर बनाया गया था।

शाम हुई, फिर सुबह और छठा दिन हो गया।

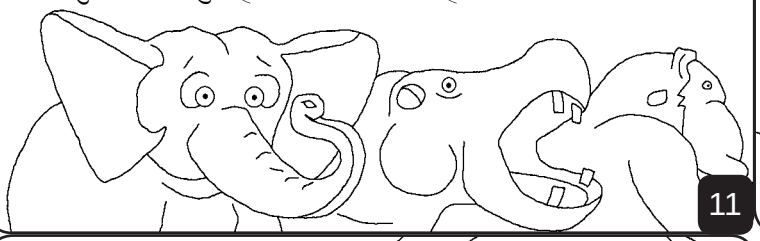

11

खुदा ने छठे दिन कुछ और भी किया - कुछ बहुत खास। सब कुछ अब इंसान के लिए तैयार था । उसके लिए खेतो में खाना और सेवा करने के लिए जानवर थे। और खुदा ने कहा, " आओ हम इंसान को को अपनी सूरत पर बनाएँ। और वह ज़मीन की हर चीज पर मालिक हो। तो खुदा ने इंसान को खुद अपनी सूरत में बनाया; उसने उसे खुदा की सूरत में बनाया ...

12

खुदा आदम से बोला। "बगीचे से जो तेरी इच्छा हो खा। लेकिन अच्छे और बुरे के ज्ञान के पेड़ से मत खाना। अगर तु उस पेड़ से खाएगा तो तु ज़रूर मर जाएगा।"

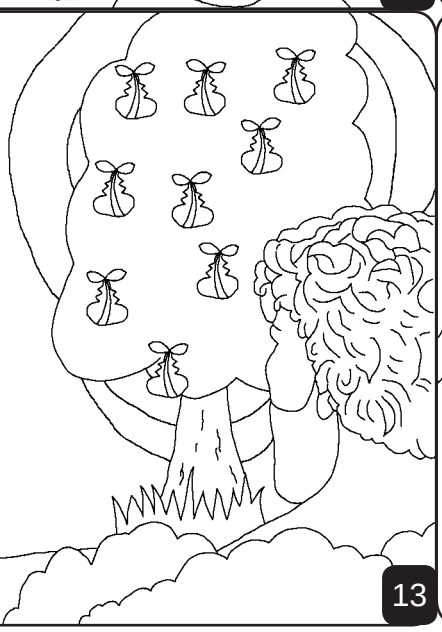

13

और खुदावंद खुदा ने कहा, "यह अच्छा नहीं है कि आदमी अकेला रहे। मैं उसके लिए एक मददगार बनाऊँगा।" खुदा सभी पक्षियों और जानवरों को आदम के पास लाया। आदम ने उन सभी का नाम रखा। ऐसा करने के लिए वह बहुत चालाक रहा होगा। लेकिन सभी पक्षियों और जानवरों के बीच आदम के लिए कोई सही साथी नहीं था।

14

खुदा ने आदम को बहुत गहरी नींद में डाल दिया। सोते हुए आदमी की पसलियों में से एक को निकालकर, खुदा ने आदम पसली से औरत बनाई।। खुदा ने जिस औरत को बनाया था, वह आदम की एक साथी होने के लिए बिल्कुल सही थी।

15

खुदा ने छह दिनों में सब कुछ बना दिया। तब खुदा ने सातवें दिन को आशीष दी और उसे आराम का दिन बना दिया। अदन के बाग में, आदम और उसकी बीवी हव्वा को परमेश्वर की आज्ञा मानने में मुकम्मल खुशी थी। खुदा उनका मालिक, उनका अन्नदाता और उनका दोस्त था।

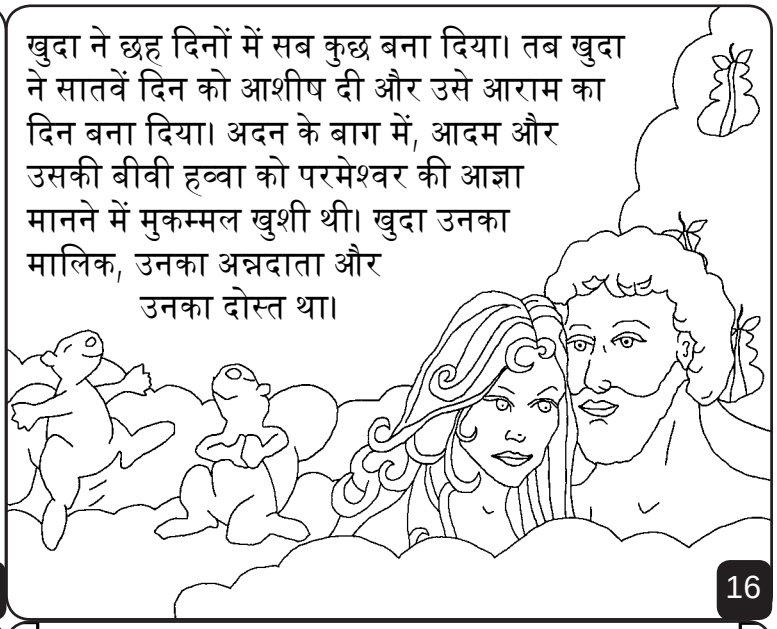

16

जब खुदा ने सब कुछ बनाया

खुदा के कलाम, बाईबल में से कहानी

में मिलती है

उत्पत्ति 1-2

"तेरी बातों के खुलने से प्रकाश होता है।"
भजन संहिता 119:130

17

खत्म

1

60

18

बाईबल की यह कहानी हमें हमारे अनोखे खुदा के बारे में बताती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि तुम उसे जानों।

खुदा जानता है कि हमने बुरे काम किए हैं, जिसे वह गुनाह कहता है। गुनाह की सजा मौत है, लेकिन खुदा तुमसे बहुत मोहब्बत करता है, उसने अपने इकलौते बेटे यीशु को भेजा, सलीब पर मरने और तुम्हारे गुनाहों की सजा के लिए। फिर यीशु दोबारा ज़िंदा हो गया और अपने घर स्वर्ग वापस चला गया! यदि तुम यीशु पर ईमान लाते हो और उसे तुम्हारे गुनाहों को माफ़ करने के लिए कहते हो, तो वह ऐसा करेगा! वह अब आएगा और तुम में वास करेगा, और तुम हमेशा उसके साथ रहोगे।

यदि तुम्हें लगता है कि यह सच्चाई है, तो खुदा से यह कहो: प्यारे यीशु, मेरा ईमान है कि तु खुदा है, और मेरे गुनाहों के कारण मरने के लिए एक इंसान बन गया, और अब तु फिर से जिन्दा है। कृपया मेरे जीवन में आ जा और मेरे गुनाहों को माफ़ कर दे, ताकि मेरे पास अब नया जीवन हो और एक दिन हमेशा के लिए तेरे पास आ जाऊँ। तेरी बात मानने और तेरे बच्चे के जैसे तेरे लिए जीने में मेरी मदद कर। आमीन।

बाईबल पढ़ें और हर दिन खुदा के साथ बात करें! यहुन्ना 3:16

19